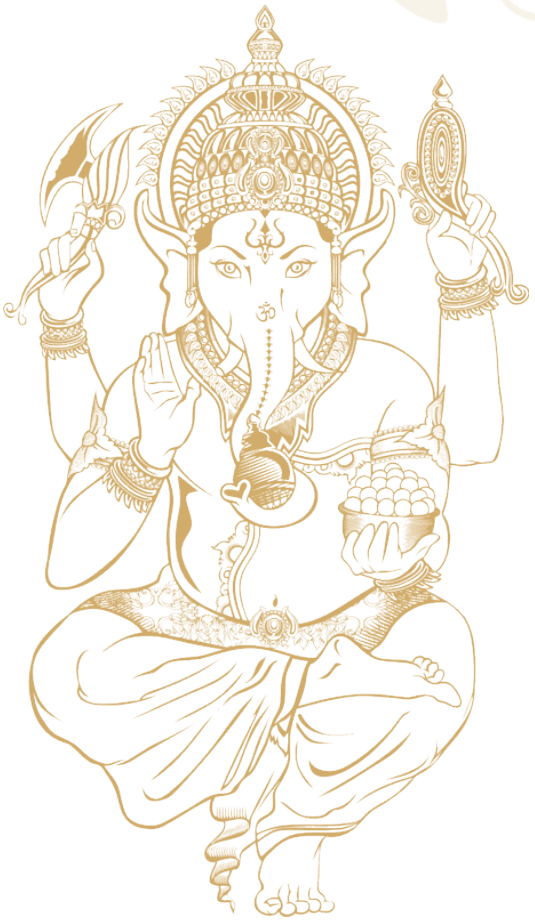

Nikhilesh

Arti mantri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121784403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/11/1997	जन्म तिथि	18/02/2001
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 11:49:00	जन्म समय	13:45:00 घंटे
घटी 13:00:49	जन्म समय(घटी)	16:46:48 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Nasik
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	20:00:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	73:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:34:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:36:40	सूर्योदय	07:02:16
17:59:31	सूर्यास्त	18:34:53
23:49:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 13वर्ष 6मा 17दि	26:17:01	धनु	लग्न	मिथु	01:33:44	केतु 0वर्ष 10मा 4दि
बुध	16:02:22	तुला	सूर्य	कुंभ	05:52:14	सूर्य
21/05/2011	07:09:34	वृश्चि	चंद्र	धनु	11:43:26	24/12/2021
21/05/2028	00:57:48	धनु	मंगल	वृश्चि	07:57:26	24/12/2027
बुध 17/10/2013	27:56:08	तुला	बुध व	मक	24:45:00	सूर्य 12/04/2022
केतु 14/10/2014	19:17:26	मक	गुरु	वृष	08:16:45	चन्द्र 12/10/2022
शुक्र 14/08/2017	03:00:59	धनु	शुक्र	मीन	17:42:00	मंगल 17/02/2023
सूर्य 21/06/2018	21:20:48	मीन व	शनि	वृष	00:44:34	राहु 11/01/2024
चन्द्र 20/11/2019	24:39:19	सिंह व	राहु	मिथु	20:54:09	गुरु 30/10/2024
मंगल 16/11/2020	24:39:19	कुंभ व	केतु	धनु	20:54:09	शनि 12/10/2025
राहु 06/06/2023	11:03:42	मक	हर्ष	मक	27:27:35	बुध 18/08/2026
गुरु 10/09/2025	03:31:04	मक	नेप	मक	13:15:13	केतु 24/12/2026
शनि 21/05/2028	10:40:03	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:11:34	शुक्र 24/12/2027

लग्न-चलित

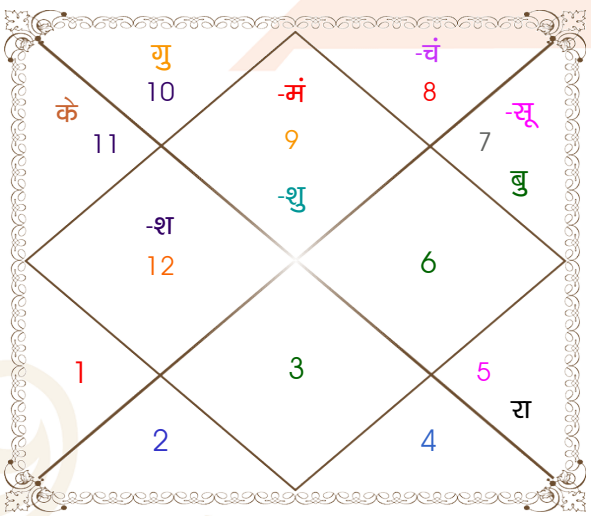

लग्न-चलित

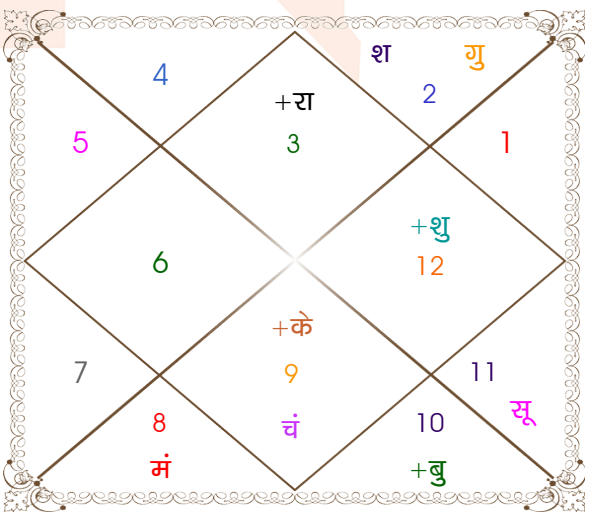

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	श्वान	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Nikhilesh का वर्ग सर्प है तथा Arti mantri का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nikhilesh और Arti mantri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Nikhilesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Arti mantri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Arti mantri कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Arti mantri कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nikhilesh तथा Arti mantri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।